नवभारत
संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

दुनिया को मिलेगा ' होर्मूज ' का विकल्प

वैश्विक ऊर्जा राजनीति में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के ताजा फैसले ने एक बड़ा मोड़ ला दिया है. ओपेक और ओपेक प्लस से बाहर निकलने की उसकी ऐतिहासिक घोषणा केवल संगठनात्मक बदलाव नहीं, बल्कि तेल अर्थव्यवस्था और भू-राजनीतिक संतुलन में दूरगामी प्रभाव डालने वाला कदम है. 1 मई 2026 से प्रभावी होने जा रहा यह निर्णय उस समय आया है जब दुनिया पहले से ही ऊर्जा असुरक्षा और क्षेत्रीय तनावों के दबाव में है.

इस फैसले का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है, होर्मूज जल डमरूमध्य का विकल्प. यह संकीर्ण समुद्री मार्ग वैश्विक तेल आपूर्ति की जीवनरेखा माना जाता है, जहां से लगभग 20 प्रतिशत कच्चा तेल गुजरता है. लेकिन ईरान और पश्चिम के बीच बढ़ते तनाव ने इसे एक स्थाई जोखिम क्षेत्र बना दिया है. ऐसे में यूएई का ओपेक से बाहर आना उसे उत्पादन और निर्यात के मामलों में अधिक स्वतंत्रता देता है, जिससे वह अपनी ऊर्जा आपूर्ति को होर्मूज जैसे संवेदनशील मार्गों पर निर्भर रहने के बजाय वैकल्पिक रास्तों से संचालित कर सके.

दरअसल, यूएई इस दिशा में पहले ही ठोस कदम उठा चुका है. अबू धाबी से फुजैरा तक बनी पाइपलाइन उसे सीधे अरब सागर तक पहुंच प्रदान करती है, जिससे होर्मूज को बायपास करना संभव हो जाता है. ओपेक के कोटा प्रतिबंधों से मुक्त होकर यूएई अब अपनी पूरी उत्पादन क्षमता का उपयोग कर सकता है और इन वैकल्पिक मार्गों को अधिक प्रभावी बना सकता है. यह फैसला ओपेक के लिए भी कम झटका नहीं है. सऊदी अरब और इराक के बाद तीसरे सबसे बड़े उत्पादक का संगठन से बाहर होना उसके सामूहिक प्रभाव को कमजोर कर सकता है. अब तक ओपेक वैश्विक तेल कीमतों को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है, लेकिन यूएई के इस कदम से 'कार्टेल नियंत्रण' की अवधारणा पर सवाल खड़े होंगे. खासकर तब, जब सदस्य देशों के बीच उत्पादन नीति को लेकर मतभेद पहले से मौजूद हैं.

भारत जैसे ऊर्जा आयातक देशों के लिए यह घटनाक्रम अच्छे संकेत लेकर आया है. यानी यूएई के साथ द्विपक्षीय और लचीले समझौते आसान हो सकते हैं, जिससे ऊर्जा आपूर्ति के नए विकल्प खुलेंगे. जाहिर है भारत को अपनी ऊर्जा रणनीति में विविधता और सुरक्षा लाने के संदर्भ में इसका लाभ ही होगा. इसके अलावा तेल की कीमतों पर भी इस फैसले का असर पड़ेगा. यदि यूएई अपनी अधिकतम उत्पादन क्षमता के साथ बाजार में उतरता है, तो आपूर्ति बढ़ने से कीमतों में नरमी आ सकती है. हालांकि, यह पूरी तरह इस बात पर निर्भर करेगा कि अन्य प्रमुख उत्पादक देश, विशेषकर सऊदी अरब, किस प्रकार की रणनीति अपनाते हैं. कुल मिलाकर यूएई का यह निर्णय केवल एक देश की नीति नहीं, बल्कि बदलती वैश्विक ऊर्जा व्यवस्था का संकेत है. दुनिया अब एकल निर्भरता वाले मार्गों से हटकर बहु-विकल्पीय और सुरक्षित आपूर्ति तंत्र की ओर बढ़ रही है. ऐसे में होर्मूज का विकल्प केवल एक रणनीतिक विकल्प नहीं, बल्कि भविष्य की ऊर्जा सुरक्षा का अनिवार्य आधार बनता जा रहा है.

ऑनलाइन गेमिंग पर भारत की पहल

श्रीएस. कृष्णन

ऑनलाइन गेमिंग के लिए एक राष्ट्रीय ढाँचा स्थापित करने की दिशा में भारत की पहल अवसर और जोखिम के संगम से उत्पन्न हुई है. बीते एक दशक में डिजिटल गेमिंग का तेजी से विस्तार हुआ है, जिसे बड़े पैमाने पर स्मार्टफोन अपनाने, किफायती इंटरनेट कनेक्टिविटी और तकनीक का उपयोग करने और उस पर निर्भर रहने वाली युवा आबादी का समर्थन मिला है.

> स्पष्ट नियामक मार्ग वैध गेमिंग के विकास, प्रतिस्पर्धी अवसंरचना और सहायक डिजिटल सेवाओं में निवेश को प्रोत्साहित करते हैं. ई-स्पोर्ट्स की मान्यता संगठित प्रतियोगिताओं और पेशेवर भागीदारी को सक्षम बनाती है, जबकि विनियमित श्रेणियाँ विकास, अनुपालन, साइबर सुरक्षा और इवेंट प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में नए अवसरों में सहायता देती हैं. पीआरओजीए के माध्यम से शुरू किया गया यह परिवर्तन बिखरी हुई प्रतिक्रियाओंसे आगे बढ़कर पूर्वानुमेय शासन की ओर बदलाव को दर्शाता है. निवारक श्रेणीकरण, वैध मान्यता और जवाबदेह पंजीकरण को एक साथ जोड़कर यह ढाँचा एक स्थिर वातावरण तैयार करता है, जहाँ नवाचार जनहित की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए जिम्मेदारी के साथ विकसित हो सकता है.

इस विकास ने नवाचार, कौशल विकास, रचनात्मक उद्योगों और रोजगार सृजन के लिए सार्थक अवसरों का सृजन किया है. मनोविनोद के लिए गेमिंग और संगठित प्रतिस्पर्धी प्रारूपों ने भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने की क्षमता भी प्रदर्शित की है. इन अवसरों के साथ-साथ, ऑनलाइन मनी गेमिंग—विशेष रूप से सट्टेबाजीऔर दांव लगाने वाले (यानी बेटिंगवेजरिंग) प्लेटफॉर्मों के अनियंत्रित विस्तार ने गंभीर सामाजिक और आर्थिक चिंताओं को भी जन्मन दिया. ऐसे अनेक सेवा प्रदाता राज्य सीमाओं के पार या विदेशी क्षेत्रों से संचालित होते थे, जो घरेलू सुरक्षा उपायों को नजरअंदाज करते थे और कानूनों को लागू करना कठिन बनाते थे. दबाव बनाने वाले विज्ञापनों और मनोवैज्ञानिक रूप से प्रभावित करने वाले डिज़ाइन फीचर्स ने कमजोर उपयोगकर्ताओं में लत जैसी प्रवृत्तियों और वित्तीय नुकसान को बढ़ावा दिया. वित्तीय संकट, डिजिटल भुगतान प्रणालियों के दुरुपयोग और अस्पष्ट अंतरराष्ट्रीय वित्तीय लेन-देन की रिपोर्ट्स ने धोखाधड़ी, मनी लॉन्ड्रिंग और वित्तीय अस्थिरता से जुड़े जोखिमों को उजागर किया. इन परिस्थितियों ने एक ऐसे राष्ट्रीय ढाँचे की आवश्यकता को रेखांकित किया, जो व्यक्तियों—विशेषकर युवाओं—की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए गेमिंग इकोसिस्टम के वैध हिस्सों को जिम्मेदारी से विकसित होने में सक्षम बनाए.

ऑनलाइन सोशल गेम्स और ई-स्पोर्ट्स नामक संगठित प्रतिस्पर्धी प्रारूपों जैसे वैध गेमिंग क्षेत्रों की सहायता के लिए एकीकृत संस्थागत ढाँचेका अभाव भी उतना ही महत्वपूर्ण था. डेवलपर्स के पास श्रेणीकरण की ऐसी कोई प्रक्रिया नहीं थी,जिसका पहले से अनुमान लगाया जा सकेऔर उपयोगकर्ताओं को अक्सर वैध मनोरंजन और अवैध सट्टेबाजी के बीच फर्क समझने में कठिनाई होती थी. अतऱ्इसका उद्देश्य केवल हानिकारक गतिविधियों पर रोक लगाना नहीं, बल्कि एक संतुलित ढाँचा भीस्थापित करना था, जो उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करे औरजिम्मेदार नवाचार को भी संभव बनाए. ऑनलाइन खेल संवर्धन और विनियमन अधिनियम, 2025, (पीआरओजीए) इसी संतुलित दृष्टिकोण को दर्शाता है, जिसे डेवलपर्स, ई-स्पोर्ट्स संगठनों, कानूनी विशेषज्ञों, प्रौद्योगिकी पेशेवरों और सामाजिक संगठनों के हितधारकों के साथ व्यापक परामर्श के बाद अंतिम रूप दिया गया है.

प्राप्त प्रतिक्रियाओं में लगातार पारदर्शी श्रेणीकरण, पूर्वानुमेय अनुपालन दायित्वों और वैध प्रारूपों के लिए व्यावस्थित व सरल मान्यता प्रक्रियाओं की आवश्यकता पर जोर दिया गया. हितधारकों ने अवैध सट्टेबाजी प्लेटफॉर्मों के खिलाफ समन्वित कार्रवाई मजबूत करते हुएवैध मनोरंजक और प्रतिस्पर्धी गेमिंग को बढ़ावा देने का समर्थन किया.

संचालन स्तर पर, यह ढाँचा परस्पर संबद्ध तीन चरणों—अवधारण,मान्यता और पंजीकरण—पर आधारित एक व्य वस्थित श्रृंखला प्रस्तुत करता है. ये चरण क्रमिक रूप से कार्य करते हैं और इन्हें पीआरओजीएतथा उसके नियमों में दी गई वैधानिक परिभाषाओं के साथ समझना आवश्यक है. अवधारण एक नियामक प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करता है, जिसके माध्यम से किसी भी गेम की जांच और उसका श्रेणीकरण किया जाता है. यह प्रत्येक ऑनलाइन गेम के लिए अनिवार्य नहीं है, बल्कि केवल सीमित और निर्धारित परिस्थितियों में ही आवश्यक होता है. सबसे ज्या,दा महत्वपूर्ण बात यह है कि ई-स्पोर्ट्स की मान्यता से पहले अवधारण अनिवार्य होता है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रतिस्पर्धी प्रारूप वैधानिक सुरक्षा मानकों का पालन करते हैं और सट्टेबाजी के तत्वों से मुक्त रहते हैं.

(लेखक इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय , भारत सरकार में सचिव हैं.)

ग्वालियर चंबल डायरी

सामंजस्य : सिंधिया, नरेन्द्र और संघ के बीच बंट गए प्राधिकरण

हरीश दुबे

करीब छह वर्ष से खाली पड़े ग्वालियर के तीनों प्राधिकरण अब भरे जा चुके हैं. शिवराज के साढ़े तीन और मोहन यादव के ढाई बरस के कार्यकाल में इन प्राधिकरणों में सिर्फ इस वजह से नियुक्तियां नहीं हो रही थीं क्योंकि प्रदेश की सत्ता वीथिकाओं के क्षत्रप स्क्रूटनी के बाद तय चुनिंदा नामों न तो एकराय हो पा रहे थे और न ही नेतृत्व द्वारा सुझाए नामों पर रजामंदी दे रहे थे. अब जब मौजूदा प्रदेश सरकार अपने कार्यकाल की अर्धावधि पूरी करने की तरफ है, तब कहीं किसी तरह नाम तय हुए हैं.

प्राधिकरण अध्यक्ष पद पर नियुक्तियों का विश्लेषण करें तो यही जाहिर होता है कि सिंधिया, नरेन्द्र सिंह और संघ ने तीन प्राधिकरणों में से एक एक अपने नाम कर लिया है. साडा की अध्यक्षी सिंधिया के पाले में गई है तो मेला प्राधिकरण पर नरेन्द्र सिंह खेमे ने परचम फहराया है वहीं जीडीए की अध्यक्षी संघ के नाम दर्ज हुई है. मेला प्राधिकरण की अध्यक्षी के लिए सिंधिया खेमे की ओर से पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल का नाम आगे बढ़ाया गया था लेकिन उन्हें पीछे छोड़ते हुए नरेन्द्र सिंह अपने राइटहैंड कहे जाने वाले बाबा को चेयरमैनशिप दिलाने में कामयाब रहे. साडा में विराजे अशोक शर्मा और जीडीए के मधुसूदन, दोनों ही छात्र राजनीति की उपज हैं. अशोक जहां करीब साढ़े चार दशक पहले जेयू स्टूडेंट यूनियन के अध्यक्ष रहे तो मधुसूदन छात्र राजनीति के दौर में एबीवीपी के धुरंधर रहे.

कह सकते हैं कि तीनों ही अध्यक्षों ने कांटों का ताज पहना है. साडा और जीडीए अरसे से आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहे हैं. हाउसिंग और इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में कार्यरत इन दोनों ही सेमी गवर्नमेंट अथॉरिटीज के परस्पर विलय कर एक निकाय बनाने का सुझाव कई बरस पहले आया था लेकिन महाराज इसके लिए तैयार नहीं हुए, लिहाजा दोनों का ही पृथक स्वतंत्र अस्तित्व बनाए रखते हुए पहले की ही तरह अलग अलग अध्यक्ष बनाए गए हैं. शहर की तेजी से बढ़ती आबादी का दवाब कम करने पश्चिमी छोर पर तिघरा बांध और कुलैथ, सौंजना गांव के समीप काउंटर मैग्नेट सिटी बसाने वाले साडा के पास जमीन की कमी नहीं है लेकिन कनेक्टिविटी के अभाव में नया शहर आबाद नहीं हो रहा है. जबकि जीडीए के पास नए प्रोजेक्ट्स का अभाव है. देखना है कि नए सदर शहर की पहचान बन चुकी इन संस्थाओं के सूरतेहाल में क्या चेंज पॉजिटिविटी लाते हैं.

नए निजाम के समक्ष समर नाइट मेला लगाने की चुनौती

ग्वालियर मेला प्राधिकरण में नए निजाम ने बाजे गाजे और जोश खरोश के साथ जिम्मेदारी संभाल ली, इसी के साथ उन पर पंद्रह मई से प्रस्तावित समर नाइट मेला को तयशुदा वक्त से लगाने के लिए दवाब बढ़ गया है. नए सदर और डिप्टी भले ही यह कह रहे हैं कि अभी तो पारी शुरू हुई है और सब कुछ गुड गुड होगा लेकिन मेला व्यापारियों में इस बात पर नाराजगी है कि अभी तक समर नाइट मेला के लिए कील भी नहीं धरी गई है. बमुश्किल पंद्रह दिन बचे हैं, ऐसी सूरत में तय वक्त से मिड-ईयर फेयर कैसे लग सकेगा. उम्मीद पर आसमान टिका है, इसी भरोसे के साथ मेला व्यापारी संघ ने नए नेतृत्व से उम्मीद लगाई है कि वे अगले एक डेढ़ माह तक अपना ध्यान समर नाइट मेला के सुचारु और निर्विघ्न आयोजन पर ही केंद्रित रखेंगे.

छत्रपों के बीच विकास का तमगा हासिल करने की होड़

सत्ता दल की ग्वालियर की राजनीति के दो क्षत्रपों के बीच विकास कार्यों का श्रेय लेने की होड़ से उपजी तनातनी कम होने का नाम नहीं ले रही. मंगल के रोज फिर यही हुआ. सिंधिया और सांसद भारतसिंह के काफिले ग्वालियर से मुरैना की तरफ जाने वाले रूट पर दौड़ते दिखाई दिए लेकिन वक्त अलग अलग था और मंजिल भी जुदा. सिंधिया अपने लाव लश्कर के साथ सुबह दस बजे वेस्टर्न बायपास पर चल रहे कार्य का मुआयना करने गए तो सांसद भारत सिंह सुबह सात बजे ही नगर निगम के अफसरों को साथ लेकर चंबल पेयजल प्रोजेक्ट का निरीक्षण कर आए. दोनों नेता शहर विकास से जुड़े मसलों पर अफसरों की समानांतर बैठकें भी लेते रहे हैं. प्रशासन को दोनों तरफ सामंजस्य बनाकर चलना पड़ रहा है.

मैराथन में सेबेस्टियन का कमाल

शारीरिक बल, निरंतर अभ्यास और प्रबल इच्छाशक्ति मिलकर अपना चमत्कार दिखाते हैं और पुराने रिकार्ड तोड़कर नए रचे जाते हैं. रविवार को लंदन मैराथन दौड़ सिर्फ 1 घंटा 59 मिनट और 30 सेकंड में पूरी कर केन्या के सेबेस्टियन सेव ने नया रिकार्ड बनाया. इतना ही नहीं, दूसरे नंबर पर आए इथियोपिया के योमिफ केजेलजा भी उनसे सिर्फ 11 सेकंड पीछे रहे. कोई सोच नहीं सकता था कि मैराथन जैसी लंबी दौड़ को इंसान इतने कम समय में पूरी कर सकता है. इसे मानव की शक्ति व क्षमता से परे माना जाता था. इसके पहले 2019 में केन्या के धावक एलिउद किजाके ने यह दौड़ 1 घंटा 59 .40 मिनट में पूरी की थी लेकिन उसके रिकार्ड को अधिकृत इसलिए नहीं माना गया था, क्योंकि उसने विशेष प्रकार के बूट पहने थे और उसके साथ के सहधावक बदलते चले गए थे. इसके काफी पूर्व 6 मई 1954 को जब रोजर बैनिस्टर ने मैराथन का 4 मिनट का रिकार्ड तोड़ा था, तो इसे असंभव कृत्य या चमत्कार माना गया था. नेता मानते थे कि इतना तेज दौड़ना जानलेवा हो सकता है. दो पैरवाला इंसान कोई घोड़ा या चीता नहीं है, जो इतना तेज दौड़े. बैनिस्टर का रिकार्ड ऑस्ट्रेलिया के जॉन लैंडी ने 1 .4 सेकंड से तोड़ा था. 2023 में केल्विन किप्टुम ने मैराथन में रिकार्ड बनाया था, लेकिन सेबेस्टियन सेव उससे भी 65 सेकंड तेज निकला. खिलाड़ियों में स्टैमिना के साथ ही तकनीक भी होती है. उन्हें देखना पड़ता है कि इस लंबी दौड़ को तेजी से पूरा करते समय कहीं वह बेहोश न हो जाएं या हार्ट अटैक न आ जाए. सेबेस्टियन सेव तथा योमिफ केजेलका दोनों ही ऐसे जूते पहनकर दौड़े थे, जिनमें से प्रत्येक का वजन 100 ग्राम से भी कम था. इसके विपरीत पेशे से न्यूरोलॉजिस्ट रोजर बैनिस्टर कील लगे जूतों (स्पाइक्स) को पहनकर दौड़ा था.

खिलाड़ियों में स्टैमिना के साथ ही तकनीक भी होती है. उन्हें देखना पड़ता है कि इस लंबी दौड़ को तेजी से पूरा करते समय कहीं वह बेहोश न हो जाएं या हार्ट अटैक न आ जाए. सेबेस्टियन सेव तथा योमिफ केजेलका दोनों ही ऐसे जूते पहनकर दौड़े थे, जिनमें से प्रत्येक का वजन 100 ग्राम से भी कम था.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

प्रधानमंत्री मोदी को दिव्य अनुभूति खिलेगा कमल, दीदी की दुर्गति

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, प्रधानमंत्री मोदी ने चुनाव प्रचार खत्म होने से 5 मिनट पहले बंगाल की जनता के नाम खुला पत्र जारी किया. इसमें उन्होंने लिखा कि जिस तरह अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के समय उन्हें भगवान राम से आशीर्वाद मिला था, उसी प्रकार की दैवीय अनुकंपा और ताकत उन्हें इस बार मां काली से मिली है. इस संबंध में आपकी क्या राय है?'

हमने कहा, 'ऐसी विलक्षण दैवीय अनुभूति जिन्हें अकस्मात हो, उन्हें महान योगी या सिद्ध-महात्मा मान लेना चाहिए. मोदी तपस्वी होने के साथ यशस्वी भी हैं. उन्हें ईश्वरीय संकेत मिलता रहता है. जब उन्होंने वाराणसी से लोकसभा चुनाव लड़ा था, तब उन्होंने कहा था- मैं यहां नहीं आया, मुझे तो मां गंगा ने बुलाया है! आपको याद होगा कि जब मोदी केदारनाथ गए थे, तो वहां एक गुफा में उन्होंने पद्मासन की मुद्रा में बैठकर काफी देर तक ध्यान लगाया था. जब उन्होंने कन्याकुमारी जाकर मेडिटेशन किया था, तो हमें स्वामी विवेकानंद की याद आ गई थी. जब मोदी नवरात्र के समय विदेश गए थे, तो सिर्फ पानी पीकर और फलाहार कर उन्होंने 9 दिन उपवास किया था और फिर भी एक्टिव बने रहे थे. इतनी गर्मी में अपने सघन चुनावी प्रचार का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि उनको इस दौरे में बिल्कुल थकावट नहीं हुई. इससे उनके एनर्जी लेवल का पता चलता है.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, जब रामकृष्ण परमहंस ने नरेंद्र के सिर पर हाथ रखा, तो उन्हें मां काली के दर्शन हुए और वह स्वामी विवेकानंद बन गए थे. अब नरेंद्र मोदी के सिर पर किसने हाथ रखा कि उन्हें ऐसी दैवीय अनुभूति हुई?'

हमने कहा, 'वह मानते हैं कि बंगाल की जनता ने उनके सिर पर हाथ रखा है. चुनाव नतीजे का उन्हें अभी से दिव्य आभास हो गया, तभी तो उन्होंने लिखा कि ओड़िशा और बिहार की तरह उन्हें बंगाल में भी कमल खिलता दिख रहा है. वह भविष्य दृष्टा हैं.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, एसआईआर से 92 लाख लोगों का वोटर लिस्ट से सफाया, केंद्रीय जांच एजेंसियों का टीएमसी नेताओं पर काला साया और अब मां काली के आशीर्वाद की शीतल छाया! ऐसे में भय नहीं, बीजेपी को जीत का भरोसा !'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12244 - डॉ. सागर खादीवाला

1	2		3	4		■	5
6		■	7		■	8	
9		10	■	■	11		
■	12		13				■
14	■	■		■	15		■
	■	16		17	■	18	19
20	21	■	22		23	■	
24				■	25		

ऊपर से नीचे

1. हवा भरकर फैलाना, कली से फूल बनाना, प्रसन्न करना 2. साथ बैठना, समतल भूमि पर बैठना 3. साहू, वणिक 4. प्रत्येक, हर एक, एक-एक (उर्दू) 5. वह स्थान जहां दो नदियां मिले 8. वैकुंठ, स्वर्ग 10. किसी व्यक्ति या वस्तु का बोध कराने वाला शब्द, ख्याति, यश 11. वह रज जो फूलों के बीच लंबे केसरों पर जमी रहती है 13. वह स्थान जहां कूड़ा-करकट डाला जाता है 14. सतर्क, सचेत, होशियार 17. कोई शब्द या बात बार-बार बोलने का काम 19. वह जिसमें तीन कड़ियां हों 21. अल्प, थोड़ा 23. नाड़, गर्दन, नारी

बाएं से दाएं

1. धीमी एवं अस्पष्ट आवाज में बोली गई बात 6. तिब्बत के बौद्धों का धर्माचार्य 7. देवता आदि से मांगा हुआ मनोरथ 8. पैर, पांव, डग 9. बर्बाद करना, वध करना 11. जिससे आगे या अधिक और कुछ न हो 12. कृतघ्न (उर्दू) 15. घोड़े की जाति का एक प्रसिद्ध चौपाया, खर 16. वादा, संतोष 18. समझ, बुद्धि 20. दबदबा, आतंक 22. होना, कम होना, वाकिया 24. झुककर सादर अभिवादन करना 25. दूध को गाढ़ा और लच्छेदार कर बनाई गई एक मिठाई

Solution 12243

प	ल	टा	■	भी	■	भा	म
रि	स	■	त	म	त	मा	ना
ण	■	कि	ल	का	री	■	■
ति	लि	स्म	■	य	का	य	क
■	■	त	प	■	■	या	म
बा	हु	■	ह	■	का	ति	ल
ल	■	चा	ल	बा	ज	■	ना
क	ल	म	■	म	ल	म	ल

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में नौकरी में स्थिति सामान्य रहेगी. अधिनस्थ कर्मचारियों का सहयोग मिलेगा. वर्ष के मध्य में सामाजिक कार्यो में संलग्नता रहेगी. व्यवसाय में वृद्धि होगी. आर्थिक लाभ होगा. उतावलेपन में लिये गये निर्णय हानिकारक हो सकते है. आर्थिक लेनदेन में सावधानी रखें. मित्र के सहयोग से उदासीनता दूर होगी.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को आर्थिक लाभ का योग है. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को निजी दायित्वों का निर्वहन करना होगा. व्यवसाय में वृद्धि होगी. कर्क राशि के व्यक्तियों को नौकरी में स्थिति सामान्य रहेगी. सिंह राशि के व्यक्तियों की सामाजिक कार्यो में संलग्नता रहेगी. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को अधिनस्थ कर्मचारियों का सहयोग मिलेगा. मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को उतावलेपन में लिया गया निर्णय हानिकारक रहेगा. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों के व्यक्तित्व का विकास होगा. आर्थिक लेनदेन में सावधानी रखें.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिये बालक का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, सुन्दर, कुशल, दुबला, पतला, एवं लंबे कद का होगा, शिक्षा उत्तम रहेगी, लेखन, अध्ययन कार्य में सफलता मिलेगी, आय के एक से अधिक साधन रहेंगे, नौकरी में इनको अच्छी सफलता मिलेगी.

उदयकालीन ग्रह चाल

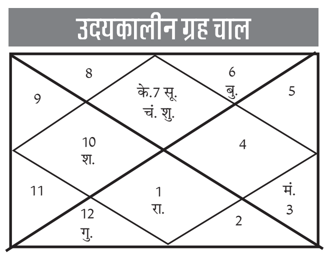

पंचांग

रा.मि. 10 संवत् 2083 वैशाख शुक्ल चर्तुदशी गुरूवासरे रात 8/18, चित्रा नक्षत्रे रात 1/36, वज्र योगे रात 8/37, गर करणे सू.उ. 5/32, सू.अ. 6/28, चन्द्रचार कन्या दिन 12/52 से तुला, शु.रा. 6,8,9,12,1,4 अ.रा. 7,10,11,2,3,5 शुभांक- 8,0,5.

व्यापार भविष्य

वैशाख शुक्ल चर्तुदशी को चित्रा नक्षत्र के प्रभाव से चांदी, रूई, कपास, सरसों, सूरजमुखी, मूँगफली के भाव में मंदी होगी, जीरा, धनियां, लालमिर्च, अजवाईन, जावित्री के भाव में तेजी होगी. भाग्यांक 7278 है.

मेष- जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें, परिश्रम अधिक, लाभ कम होगा, अज्ञात भय एवं चिन्ता दूर होगी, विरोधी पक्ष के कारण परेशानी होगी.

वृषभ- आप जिसे घाटे का सौदा समझ रहे हैं ,उसमें अच्छा लाभ होगा, शिक्षा के क्षेत्र में उन्नति होगी, संतान की समस्या का सरलता से समाधान होगा.

मिथुन- निजी संबंधों में चल रहा विवाद आपसी बातचीत से सुलझने का योग है, माता पिता के सहयोग से कार्यो में मदद मिलेगी, यश सम्मान मिलेगा.

कर्क- वैवाहिक चर्चाओं में सफलता मिल सकती है, आकस्मिक धन लाभ होगा, पारिवारिक कार्यो में सफलता मिलेगी, जहां तक बने यात्रा न करें.

सिंह- मित्रों से कहासुनी का मलाल रहेगा, कार्यस्थल पर व्यवस्था सुधारने परिश्रम करना पड़ेगा, पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा, मान सम्मान प्राप्त होगा.

कन्या- युवाओं को अध्ययन के लिये दूर जाना पड़ सकता है, निजी कार्यो को टालने से समस्या बढ़ेगी, किसी उत्सव में शामिल होने के अवसर मिलेगा.

तुला- साझेदारी में नई योजना की शुरूआत हो सकती है, प्रभावशाली लोगों के संपर्क का लाभ मिलेगा, सुख साधनों की प्राप्ति होगी, मानसिक खुशी होगी.

वृश्चिक- पारिवारिक कलह से मन अशांत रहेगा, कारोबारी गठजोड़ लाभकारी हो सकता है, कार्यो में इच्छित सफलता मिलेगी, सामाजिक प्रतिष्ठा रहेगी.

धनु- परिणय चर्चाओं में सफलता के आसार हैं, सोच समझकर नया कार्य हाथ में लें, नौकरी से संबंधित शुभ समाचार मिलेगा, मानसिक प्रसन्नता रहेगी.

मीन- एक से अधिक काम शुरू करने का मन बनेगा, रचनात्मक कार्यो में मौलिक सूझबूझ का लाभ मिलेगा, धार्मिक कार्यो में यश मिलेगा.

कुम्भ- युवाओं को बेहतर विकल्प की तलाश रहेगी, पारिवारिक जबावदारी आ सकती है, वास्ते सतर्कता बांछनीय है, रूके कार्यो में गति आयेगी.

मीन- नये समझौते कारोबारी विस्तार में सहायक रहेंगे,नये मित्र बनेंगे, अनावश्यक विवाद को न बढ़ायें, किया गया प्रयास सफल होगा.

SUDOKU 7376

5	9		1		2		3	8
			4		5			
2								5
		3		5		4	8	
	7						1	
	5	8		6		9		
8								1
			2		9			
3	4		6		7		5	2

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7375

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2